**48. विक्रय के पुरोबन्ध के लिए डिक्री**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

ऊपर नामित निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -

1. वादी प्रतिवादी की होने वाली भूमि का बन्धकदार है।
2. निम्नलिखित बन्धक की विशिष्टियां है
	1. (तारीख .................)
	2. (बन्धककर्ता एवं बन्धकदार के नाम);
	3. (प्रतिभूत रकम);
	4. (ब्याज की दर);
	5. (बन्धक के अध्यधीन रहते हुए सम्पत्ति);
	6. (अब संदेय रकम);
	7. (यदि वादी का हक व्युत्पत्ती है तो उन अंतरणों या न्यागमन का संक्षेपतः कथन करे जिसके अधीन दावा करता है)

(यदि वादी कब्जाधारी बन्धकदार है तो जोड़ें)

1. वादी तारीख.............. ...... ...... को बन्धक रखी गयी सम्पत्ति पर कब्ज़ा ग्रहण किया और उस समय से बन्धकदार के रूप में तैयार है।
2. वाद हेतुक तारीख ........... ...... को पैदा हुआ जब प्रतिवादी तारीख ....... ...... ...... को प्रतिवादी द्वारा प्राप्त की गयी वादी की नोटिस पर हित के साथ बन्धक-धन को प्रत्यावर्तन करने में असफल हो गया।
3. वाद का मूल्यांकन ...... ...... ......रुपये पर किया जाता जो सम्पत्ति का बाजार मूल्य है और न्यायालय फीस का संदाय दावाकृत अनुतोषों की प्रकृति के अनुसार संदाय किया जाता है।

वादी जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

 वादी